https://www.upboardonline.com/

नवम् प्रश्न–पत्र

## (पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विज्ञान)

सिद्धान्त

**कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में समय से विद्यालयों में पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–**

**1–** गायों और बैलों के शरीर की वाह्य रचना और उनका शारीरिक क्रिया से सम्बन्ध, बैल और सांड़ों के लक्षण और उनका गुणांकन–पत्र विधि से चयन।

**2–** मुर्गियों की देख–रेख और प्रबन्ध सम्बन्धी सामान्य सिद्धान्त।

**3–** विभिन्न प्रकार के चारों और दानों को वर्ष भर सस्ती उपलब्धि पर सामान्य विचार।

**4–** दूध से बनने वाले पदार्थ– आइसक्रीम की सामान्य जानकारी, आपरेशन फ्लड की संक्षिप्त जानकारी।

**6–**पशु चिकित्सा की साधारण औषधि।

**प्रयोगात्मक**

5–विभिन्न वर्गों के पशुओं के बाजार भाव पर मौखिक प्रश्न।

6–पशुओं की शल्य क्रिया करना, नाल लगाने और बधिया करना।

**उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है**

नवम् प्रश्न–पत्र

## (पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विज्ञान)

**सिद्धान्त**

**1–**पशुओं के प्रमुख नस्लों के विवरण का अध्ययन, उदाहराणार्थ–गाय, भैंस, बकरी, भेड़ तथा मुर्गी।, पशुओं की आयु आंकना। उत्तम दूध देती गाय तथा भैंस के लक्षण, । 10

**2–**गाभिन गाय, ब्याने के समय गाय, नवजात बच्चों, हाल की ब्यानी गायों और दूध देती गायों तथा पशुओं का बंध्याकरण (बधियाकरण)। 05

**3–**विभिन्न वर्ग के पशुओं तथा बछड़ा–बछड़ी, गाभिन गायों, दूध देती गायों, सांड़ों और बैलों तथा मुर्गियों के लिये आहार सम्बन्धी सामान्य सिद्धान्त। गायों को दोहने के लिये साफ करना और तैयार करना, गौशालाओं की सफाई और रोगाणु रहित करने पर सामान्य विचार। दोहन के सिद्धान्त और विधियों तथा दूध का स्वच्छता से उत्पादन, कृत्रिम दूध की पहचान, दूध अभिलेखण। 10

**4–**दूध से बनने वाले पदार्थों जैसे क्रीम, मक्खन, पनीर, दही, घी की सामान्य जानकारी। 10

**5–**पशु प्रजनन, उद्देश्य एवं विधियों की सामान्य जानकारी। 05

**6–** उपचार के लिये पशुओं को सम्भालना, गिराना और बांधना, बछड़ों को बधिया करना। पशुओं में होने वाले रोग–खुरपका, मुंहपका, गलाघोंटू, थनैला, अफारा, रानीखेत बीमारियों के लक्षण एवं बचाव। 10

**प्रयोगात्मक**

1–गाय और बैलों की वाह्य शरीर रचना।

2–गाय, बैल और भैंस की आयु आंकना।

3–उत्तम गाय, भैंस, सांड़ और बैलों के लक्षणों का अध्ययन।

4–संतुलित आहार बनाना। पशु आहार के बाजार भावों पर मौखिक प्रश्न।

6–पशुओं की करने के लिये संभालना, गिराना और बांधना।

7–पशु चिकित्सा, व्यवहार में प्रयुक्त साधारण औषधियों की जानकारी और उनकी प्रयोग विधि।

8–पालतू पशुओं की ताप, नाड़ी और श्वास गति को ज्ञात करना।

9–डेरी फार्म पर रखे जाने वाले विभिन्न अभिलेखों की जानकारी।

10–वर्ष भर में किये गये प्रयोगात्मक कार्य का अभिलेख।

**पुस्तकें–**

कोई पुस्तक संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालय के प्रधान विषय अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप पुस्तक का चयन कर लें।

अधिकतम अंक : 50 न्यूनतम उत्तीर्णांक : 16 समय : 03 घंटा

**1–वाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन –25 अंक निर्धारित अंक**

Downloaded From official website on dt 12-Nov-2021

https://www.upboardonline.com/

| | |
|---|---|
| 1—आहार परिकलन— | 10 अंक |
| 2—पशु प्रबन्ध— | |
| (क) पशु का नियंत्रण करना व गिराना— | 04 अंक |
| (ख) पालतू पशुओं के तापक्रम, नाड़ी व श्वसन का ज्ञान | 04 अंक |
| 3—मौखिक— | 07 अंक |
| **2—आन्तरिक परीक्षक द्वारा मूल्यांकन —** | **25 अंक** |
| 1—वाह्य अंगों की पहचान— | 05 अंक |
| 2—आहार परिकलन— | 05 अंक |
| 3—औषधि एवं यंत्रों की पहचान— | 08 अंक |
| 4—अभ्यास पुस्तिका | 07 अंक |

**व्यक्तिगत परीक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा—**

व्यक्तिगत परीक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा हेतु जो विद्यालय प्रयोगात्मक परीक्षा केन्द्र निर्धारित किये जायेंगे, उन विद्यालयों के सम्बन्धित विषयों के अध्यापक/प्रधानाचार्य द्वारा आन्तरिक परीक्षक रूप में व्यक्तिगत परीक्षार्थियों को पचास प्रतिशत अंक प्रदान किये जायेंगे, शेष पचास प्रतिशत अंक वाह्य परीक्षक द्वारा देय होंगे।

Downloaded From official website on dt 12-Nov-2021